VVK झालावाड़ (उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़) में दिनांक 18.12.2025 से 20.12. 2025 तक अयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रतिवेदन

भा.वा.अ.शि.प.-शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, (आफरी) जोधपुर द्वारा वन विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ के अंतर्गत उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ में "गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री एवं कृषि वानिकी" विषय पर किसानो एवं वन विभाग के क्षेत्र पदाधिकारियो के लिए दिनांक 18 दिसंबर, 2025 से 20 दिसंबर, 2025 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया । प्रशिक्षण में 15 किसानों एवं 29 वन विभाग के क्षेत्र पदाधिकारियों ने भाग लिया ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि सुश्री सोनल जौरिहार, संभागीय मुख्य वन संरक्षक, कोटा, विशिष्ट अतिथि श्री सागर पंवार, उप वन संरक्षक एवं डॉ संतोष झांझरिया, कार्य समन्वयक, कृषि विज्ञान केंद्र, झालावाड़ थे । कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर आई. बी. मौर्य, अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ ने की। कार्यक्रम में डॉ. एस. बी. एस. पांडेय, विभागाध्यक्ष, वन संवर्धन एवं कृषि वानिकी, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ एवं नोडल ऑफिसर, वीवीके भी उपस्थित थे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ के डॉ. सागर कुमार शर्मा ने "वानिकी प्रजातियों का बीज चयन, भंडारण और बीजों का अंकुरण उपचार", डॉ. निर्मल कुमार मीणा ने "कायिक प्रवर्धन तकनीक से फलदार पौधों का उत्पादन" विषय पर, डॉ. एस. बी. एस. पांडेय ने "उच्च गुणवत्ता युक्त पौध तैयार करने की पौधशाला तकनीक एवं प्रबंधन" विषय पर विषय पर व्याख्यान दिया । डॉ बिलास सिंह, आफरी ने "राजस्थान में कृषिवानिकी से खाद्यान सुरक्षा एवं आर्थिक लाभ" विषय पर व्याख्यान दिया ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रशिक्षणार्थियों को कृषि विज्ञान केंद्र, झालावाड़; झीर नर्सरी, झालावाड़ एवं उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ की प्रायोगिक नर्सरी का भ्रमण करवाया गया जहाँ प्रतिभागियों ने विभिन्न नर्सरी प्रबन्धन एवं पौध रोपण तकनीकी, कायिक संवर्धन आदि की जानकारी प्राप्त किया ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रथम तकनीकी सत्र में डॉ. लादूराम, सहायक प्राध्यापक, डॉ. राहुल चोपड़ा, सहायक प्राध्यापक, श्री दीपक कुमार, वैज्ञानिक-बी, डॉ. अतहर परवेज़, वैज्ञानिक-बी एवं श्री धाना राम, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी द्वारा व्याख्यान के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. आशुतोष मिश्रा, निदेशक, भूदृश्य एवं राजस्व सृजन, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा एवं विशिष्ट अतिथि श्री सागर पंवार, उप वन संरक्षक ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन डॉ. अतहर परवेज़ एंव धन्यवाद ज्ञापन श्री धाना राम द्वारा दिया गया।

वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर
भाषाअशिप-शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर
वन विज्ञान केंद्र, झालावाड़ के अं
वन कर्मियों के लिए तीन दिवसीय
ण पौध सामग्री एवं कृषिवानिकी
य : गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री
महाविद्यालय, झालावाड़ (राजस्थ
डॉ. आशुतोष मिश्र